पेडी गन्ने में नाशि कीटों को प्रबंधन

फसल की अवस्था	प्रभावी कीट	प्रबंधन विधि
पेड़ी रखने के समय	शल्क कीट, गुलाबी चिकटा, पाइरिला, काला चिकटा, ऊनी माहू (वूली एफ़िड) एवं सैनिक कीट	ठूंठो को नष्ट करना, जलकल्ले और बाद के कल्लों को निकालना एवं फसल अवशेषों को जलाना
प्रस्फुटन से जून तक	दीमक	इन्डोसल्फान/ क्लोरपाइरीफास के 1 कि० ग्रा० मूल तत्व प्रति हे० का प्रथम सिंचाई के साथ लगाना
	अंकुर बेधक, जड़ बेधक, चोटी बेधक	ग्रसित पौधों को समय–समय पर निकालना। अण्ड समूहों को एकत्र कर नष्ट करना
	शल्क कीट एवं गुलाबी चिकटा	मेलाथियान 0·1 प्रतिशत या इाइमेथोएट (0.08 प्रतिशत) का गन्ने की 4 से 5 पोरी वाली अवस्था में सूखी पत्तियों के निकालने के बाद छिड़काव करें
	काला चिकटा	1. इन्डोसल्फान/ क्लोरपाइरीफास / क्वीनालफास का 0.2 कि० ग्रा० मूल तत्व प्रति हे० की दर से छिड़काव करें
	पाइरिला	1. *इपीरिकेनिया मेलैनोल्यूका* के कोकून एवं अंडसमूहों को बाहुल्य वाले खेतों से निकालकर कमी वाले खेतों में लगाना 2. यदि पाइरिला का विस्तार अन्य फसलों पर हो गया हो तथा परजीवी न पाया जा रहा हो ऐसी अवस्था में उन कीटनाशि रसायन का प्रयोग करें जो परजीवी के लिये हानिकारक न हो । 3. *मेटाराइजियम एनआइसोप्ली* का पर्णीय छिड़काव (10^6-10^7 बीजाणु मिली० ली० की दर से) 4. *मेटाराइजियम एनआइसोप्ली* धुसरित 250 पाइरिला वयस्क प्रति हेक्टर की दर से छोड़ना।
	सफेद मक्खी	एसीफेट (0·1 प्रतिशत) या कॉनफीडोर (0·05 प्रतिशत) या इन्डोसल्फान 0·1 प्रतिशत का छिड़काव करें।
	ऊनी माहू (वूली एफ़िड)	जहां कहीं भी वूली एफ़िड ग्रसित पौधे दिखलाई पड़े तो मेटासिस्टॉक्स या इन्डोसल्फ़ान (0·05 प्रतिशत) का छिड़काव 15 दिन के अन्तराल पर दो बार करें।
जुलाई से अगस्त	सफेद लट	1. मौसम की पहली वर्षा के पश्चात् खेत के आसपास वाले वृक्षों से वयस्क एवं लट को एकत्रित कर नष्ट करना। इसके लिये प्रकाश पाश का भी प्रयोग किया जा सकता है। 2. क्वीनालफास 5 जी का वयस्क निकलने के समय 2·5 कि०ग्रा० मूल तत्व प्रति हे० भूमि उपचारित करना।
	ऊनी माहू (वूली एफ़िड)	1. कीटनाशक का प्रयोग न करें। 2. वूली एफ़िड के परभक्षी *डाइफ़ा (कोनोबेथ्रा) एफ़िडिवोरा* या *माइक्रोमस इगोरोटस* की संख्या यदि अधिक न हो तो या वे अनुपस्थित हो तो इनको दूसरे क्षेत्रों से लाकर छोड़ा जाय।
जुलाई से अक्टूबर	तराई बेधक पोरी बेधक एवं जड़ बेधक	1. *ट्राइकोग्रामा किलोनिस* के 50000 परजीवी ग्रसित अण्डे प्रतिहेक्टर की दर से 10 दिनों के अंतराल पर छोड़ना 2. *कोटेशिया फ्लेविपेस* के 500 गर्भित मादा प्रति हेक्टर साप्ताहिक अन्तराल पर नवम्बर माह तक छोड़े
	गुरदासपुर बेधक एवं प्लासी बेधक	बेधकों के सामूहिक चरण में ग्रसित गन्नों को निकाल कर गडढे मे दबाकर नष्ट करना
सितम्बर से गन्ने की कटाई तक	तराई बेधक	1. गन्ने के सूखी पत्तियों को 30 दिन के अंतराल से निकालना 2. जलकल्ले एवं बाद के कल्ले को 15 दिन के अंतराल से निकालना 3. मोनोक्रोटोफास कीटनाशी को 0·75 कि०ग्रा० मूल तत्व प्रति हे० का तनों पर छिड़काव (यह संस्तुति केवल रिंग विधि से बोये जाने वाले खेतों के लिये उपयोगी हैं)
	प्लासी बेधक	फरवरी के अन्त तक कटाई अवश्य करें।

xUu d ie[k ukf'kdhVk d k ,dhd r ic U/ku

सत्यमेव जयते

आयोजक :

भारत सरकार

कृषि मंत्रालय

कषि एवं सहकारिता विभाग

गन्ना विकास निदेशालय

आठवाँ तल, हाल संख्या–3, केन्द्रीय भवन, अलीगंज, लखन – 226024 उ.प्र.

भाकृअनुप ICAR

स्तुतिकरण, चित्रांकन एवं मुद्रण :

निदे ाक

भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान

रायबरेली रोड, दिलकु ा, लखन - 226002

xUu d ie[k ukf'kdhVk dk ,dhdr icU/ku

xUu dh Qly yEch vof/k dh gku d dkj.k ukf'kdhVk d ckgY; dh lHkkouk vf/kd gkrh gA xUu dh mRikndrk dk vf/kd dju d fy; bu dhVk dk ic/ku vko';d gA viu n'k e df"k ikfjfLFkfrdh dh fofHkUurk d dkj.k uk'khdhV dh ie[krk {k=kulkj jgrh gA ie[k dhV dk gh ic/ku djuk vko';d gA

vul/kku dk; }kjk df"k oKkfudk u ukf'kdhVk d ic/ku d vud mik; << gA i;koj.k nf"Vr u gk] blds fy; tofu;=.k dk fodkl fd;k x;k gA bl l dhVuk'kh jlk;uk d i;kx e vR;f/kd deh ykb xb gA fofHkUu rduhdk dk le;≤ ij vko';drk vulkj ,dhdr fd;k x;k gft ll ukf'kdhVk dk ic/ku iHkkoh gk ldA lLrr rduhdk dk fuEu lkfj.kh e ekg vulkj viuku l xUuk fd lku ykHkkfUor gkxA

बावक गन्ने में नाशी कीटों का प्रबंधन

फसल की अवस्था	प्रभावी कीट	प्रबंधन
बीज का चुनाव	बेधक, शल्क कीट एवं गुलाबी चिकटा, ऊनी माहू (वूली एफ़िड)	ग्रसित पेड़ों को निकाल दें। ftl [kr e Åuh ekg yxk gk mlls cht u yA
बीज शोधन	शल्क कीट, Åuh ekg	पैड़ों को मैलाथियान के 0.1 प्रतिशत घोल या डाइमेथिओएट के 0.08 प्रतिशत घोल में 15 मिनट तक डुबाकर उपचारित करें।
बोआई के समय	दीमक, जड़बेधक एवं अंकुर बेधक	क्लोरपाइरीफास / इन्डोसल्फान 1 कि०ग्रा० मूल तत्व प्रति हे० पानी में घोलकर पैड़ो पर छिड़काव
जमाव से मई तक ftl [kr e Åuh ekg yxk gk mlls cht u yA	अंकुर बेधक	1. *स्टरमियाप्सिस इन्फरेन्स* के 125 वयस्क मादा प्रतिहेक्टर के दर से छोड़ना (तटीय तमिलनाडु के लिये) 2. ग्रैन्युलोसिस विषाणु का 10^{7}-10^{9} विषाणु /मि०ली० के दर से पर्णीय छिड़काव (तमिलनाडु एवं कर्नाटक में)
	थ्रिप्स	डाइमेंक्रान 0.03 प्रतिशत या मोनोक्रोटोफॉस 0.04 प्रतिशत या डाइमेथिओएट 0.04 प्रतिशत का छिड़काव
अप्रैल से जून	Åuh ekg (वूली एफ़िड)	नदी, तलाब या नमी वाले स्थान के समीप वूली एफ़िड के प्रकोप को अच्छी तरह ढूंढे। जहां भी वूली एफ़िड दिखाई पड़े, मेटासिस्टॉक्स (0.05%) या इन्डोसल्फ़ान (0.05%) का छिड़काव 15 दिन के अन्तराल पर 2 या 3 बार करें।
जून–जुलाई	चोटी बेधक	1. कार्बोफ्यूरान 3 जी (1.0 कि०ग्रा० मूल तत्व) या फोरेट 10 जी (3.0 कि०ग्रा० मूल तत्व) का प्रतिहेक्टर की दर से चोटी बेधक के तृतीय पीढ़ी के लिये (दूसरी पीढ़ी की तितली दिखने पर) गन्ने के थानों के पास भुरकाव। भुरकाव जून के द्वितीय सप्ताह पूर्वी उत्तर प्रदेश एवं बिहार में तथा जून के आखिरी सप्ताह में पश्चिमी उत्तर प्रदेश, हरियाणाा एवं पंजाब में केवल अधिक शर्करा वाले गन्ने के प्रजातियों के लिये 2. प्रयोगशालाओं में सवंर्धित *आइसोटिमा जावेन्सिस* को छोड़ना (केवल दक्षिणी भारत में)
जुलाई से अगस्त	सफेद लट	1. मौसम की पहली वर्षा के पश्चात् खेत के आसपास वाले वृक्षों से वयस्क एवं लट को एकत्रित कर नष्ट करना। इसके लिये प्रकाश पाश का भी प्रयोग किया जा सकता है। 2. क्वीनालफास 5 जी का वयस्क निकलने के समय (2.5 कि०ग्रा० मूल तत्व प्रति हे०) भूमि को उपचारित करें।
	ऊनी माहू (वूली एफ़िड)	1. कीटनाशक का प्रयोग न करें। 2. वूली एफ़िड के परभक्षी *डाइफ़ा(कोनोबेथ्रा) एफ़िडिवोरा* या *माइक्रोमस इगोरोटस* की संख्या यदि अधिक न हो या वे अनुपस्थित हों तो इनकों दूसरे क्षेत्रों से लाकर छोड़ा जाय।
जुलाई से सितम्बर	गुरदासपुर बेधक एवं प्लासी बेधक	1. बेधकों के सामूहिक चरण में ग्रसित गन्नों को निकाल कर गडढें में दबाकर नष्ट करें।
	पाइरिला	1. *इपीरिकेनिया मेलैनोल्यूका* के कोकून एवं अंडसमूहों को बाहुल्य वाले खेतों से निकालकर कमी वाले खेतों में लगाना 2. *मेटाराइजियम एनआइसोप्ली* के 10^{7} बीजाणु /मि०ली० के घोल का पर्णीय छिड़काव करना। 3. *मेटाराइजियम एनआइसोप्ली* धुसरित 250 पाइरिला वयस्क प्रति हेक्टर के दर से खेतों में छोड़ना।
जुलाई से अक्टूबर	तराई बेधक, पोरी बेधक, गुरदासपुर बेधक एवं जड़ बेधक	1. *ट्राइकोग्रामा किलोनिस* के 50,000 परजीवी ग्रसित अण्डे प्रति हेक्टर (4 ट्राइकोकार्ड प्रति हेक्टर) की दर से 10 दिनों के अंतराल पर छोड़ना 2. *कोटेशिया फ्लेविपेस* के 500 गर्भित मादा प्रति हेक्टर साप्ताहिक अन्तराल पर नवम्बर माह तक छोड़ें।
अक्टूबर से नवम्बर	तराई बेधक	1. गन्ने की सूखी पत्तियों को 30 दिन के अंतराल से निकालना, 2-जलकल्ले एवं बाद के कल्ले को 15 दिनों के अंतराल से निकालना. 2. मोनोक्रोटोफास कीटनाशी को 0.75 कि०ग्रा० मूल तत्व प्रति हे० का तनों पर छिड़काव (यह संस्तुति केवल वलय विधि से बोये जाने वाले खेतों के लिये उपयोगी हैं)
नवम्बर से दिसम्बर	तराई बेधक	*बावेरिया बैसियाना* के 10^{7} बीजाणु /मि०ली० दर से छिड़काव
	काला चिकटा	*बावेरिया बैसियाना* धुसरित काला चिकटा के वयस्कों को 5000 प्रति हेक्टर के दर से छोड़ना
कटाई के समय	सभी कीट	1. भूमि की सतह से काटना, 2. जल कल्ले एवं बाद के कल्ले को नष्ट करना, 3. गन्ने के ठूठों एवं फ़सल अवशेषों को जलाना (जब नाशिकीटों का प्रकोप अत्याधिक हो)
	प्लासी बेधक	फरवरी के अन्त तक कटाई करें।